



व्याकृति दर्शन

उत्तर-पुस्तिका
भाग 1 से 5



व्याकरण तरंग-1

पाठ-1 : भाषा का ज्ञान

अभ्यास कार्य

आओ अभ्यास करें

1. (क) सुनते हैं (ख) पढ़ते हैं (ग) हिंदी
2. (क) पढ़कर (ख) बोलकर (ग) लिखकर (घ) सुनकर (ड) खेलकर (च) पढ़कर

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-2 : भाषा के रूप

अभ्यास कार्य

आओ अभ्यास करें

1. (क) म (ख) म (ग) ल (घ) म (ड) म (च) ल

रचनात्मक कार्य

पढ़, लिख, सुन, सोच

पाठ-3 : वर्णमाला

अभ्यास कार्य

आओ अभ्यास करें

1. स्वयं करें।
2. ओखली (✓), अनार (✓), इमली (✓), आम (✓)
3. स, क, घ, च
4. सेब, कलश, मछली, तितली, फूल, कौआ

रचनात्मक कार्य

कर्खगगड़, चछजझब्र, टठडढण, तथदधन, पफबभम, यरलव, शषसह

पाठ-4 : मात्राओं का ज्ञान

अभ्यास कार्य

1. कार, लीची, पपीता, केला, तरबूज, खरबूज
2. वृक्ष, घर, कछुआ, झूला, नौका, धोबी, घड़ी, अनार, तितली
3. हिरन, मोर, मछली, कछुआ, बैल, हाथी

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-5 : शब्द और वाक्य

अभ्यास कार्य

1. कलश, कमल, कलम, मगर
 2. मम्मी खाना बनाती हैं।
- मैं कार से खेलता हूँ।

रचनात्मक कार्य

नमक, जगमग

पाठ-6 : नाम वाले शब्द

अभ्यास कार्य

- | | | | |
|-------------|----------------------|-------|------------|
| 1. व्यक्ति- | लड़का, लड़की | फल- | सेब, तरबूज |
| वस्तु- | बस, कुर्सी, टेलीविजन | फूल- | गुलाब, कमल |
| पक्षी- | तोता, कबूतर | पेड़- | बरगद |
2. स्वयं करें।
 - 3.(क) फूल (ख) पेड़, गाय (ग) तोता, आम (घ)
- ताजमहल

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-7 : लिंग

अभ्यास कार्य

1. बैल-गाय, मोर-मोरनी, चूहा-चूहिया, आदमी-औरत
2. (क) भाई (ख) मोरनी (ग) घोड़ी (घ) चाची (डं) शेर
3. दूल्हा-दुल्हन, मोटा-मोटी, राजा-रानी, धोबी-धोबिन, लंबा-लंबी

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-8 : वचन

अभ्यास कार्य

1. एक, अनेक, एक, अनेक, एक, अनेक, एक, अनेक, एक
2. केले-अनेक, किताब-एक, आम-अनेक, मुर्गा-एक, छाते-अनेक, फुटबॉल-एक, गुब्बारे-अनेक, पत्ती-एक
3. (क) कमरे (ख) तारे (ग) नदी (घ) बच्चा (ङ) आँख

रचनात्मक कार्य

एकवचन- चिड़िया, टोकरी, चाबी, चारपाई, टब, शक

बहुवचन- ताले, गुड़ियाँ, केले, गुल्लके, टोकरियाँ, कटोरियाँ

पाठ-9 : विशेषण

अभ्यास कार्य

1. खट्टी, नरम, ठंडी, तीन, हरा, काली
2. (क) खट्ट-नींबू (ख) चटपटी-चाट (ग) लाल-टमाटर (घ) गरम-चाय

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-10 : सर्वनाम

अभ्यास कार्य

1. (क) तुम्हारा (ख) वे (ग) हम (घ) वह (ङ) यह (च) इसका (छ) इसकी (ज) इसे
2. (क) ये (ख) उसकी (ग) हम (घ) मेरा (ङ) वह (च) मुझे

रचनात्मक कार्य

मैं, यह, तुम, उसे, आप, वह

पाठ-11 : क्रिया

अभ्यास कार्य

1. (क) पढ़ते (ख) सो (ग) बरस (घ) खा (ङ) दौड़ (च) गाना (छ) नाच (ज) खींचता
2. (क) धो (ख) बना (ग) पढ़ (घ) पका

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-12 : विलोम शब्द

अभ्यास कार्य

1. रात, बैठना, ऊपर, ठंडा, रोना, कम (घ) जाग
2. (क) सफेद (ख) ठंडा (ग) नया

3. (क) उतरना (ख) बुरा (ग) मोटा (घ) देना (ङ) जीत (च) गीला (छ)
पुराना

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-13 : पर्यायवाची शब्द

अभ्यास कार्य

1. पुष्प, मानव, पानी, नाव, खग, दोस्त, वृक्ष, रात्रि 2.(क) पवन (ख) गगन
(ग) शिशु

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-14 : निबंध-लेखन

अभ्यास कार्य

1. साइकिल 2. तीन 3. लाल 4. घंटी 5. साइकिल 6. प्यारी

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-15 : कहानी-लेखन

अभ्यास कार्य

- एक कौआ था। वह बहुत प्यासा था। कौआ एक बगीचे में गया। वहाँ उसने एक घड़ा देखा। घड़े में पानी कम था।
कौए ने इधर-उधर देखा। उसे कुछ कंकड़ दिखाई दिए। कौए ने चोच से कंकड उठा-उठाकर घड़े में डाले। पानी ऊपर आ गया। कौए ने पानी पी लिया।
- स्वयं करें।

व्याकरण तरंग-2

पाठ-1 : भाषा

अभ्यास कार्य

1. (क) बोलकर (ख) सुनकर (ग) पढ़कर
2. (क) रेडियो, सुनना (ख) पत्र, लिखना (ग) किताब, पढ़ना (घ) बातें, बोलना
3. मेंढक- टर्ट-टर्ट, चूहा- चूँ-चूँ, साँप- फूँ-फूँ, कुत्ता- भौं-भौं, बकरी- मैं-मैं, बिल्ली-म्याऊँ-म्याऊँ

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-2 : वर्ण और वर्णमाला

अभ्यास कार्य

1. (क) वर्णमाला (ख) स्वर (ग) व्यंजन
2. सड़क, शलजम, सपेरा, शरबत
3. उपवन, टब, बस, नौका

रचनात्मक कार्य

- स्वर- अ, इ, ई, ए, ऊ
- व्यंजन- क, च, द, ध, प
- स्वयं करें।

पाठ-3 : शब्द और वाक्य

अभ्यास कार्य

1. (क) गुलाब (ख) बो + त + ल (ग) चिड़िया पेड़ पर बैठी है।
2. (क) नमक, कमल (ख) पतंग, गमला (ग) कलश, शलजम (घ) बटन, नल
3. (क) शेर दहाड़ रहा है। (ख) अरुण पत्र पढ़ रहा है। (ग) सूरज उग गया है।
(घ) पेड़ पर फल लग गए।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-4 : संज्ञा

अभ्यास कार्य

1. (क) नाम से (ख) भारत (ग) खरबूजा (घ) रमा
- व्याकरण तरंग-1 से 5

2. (क) किताब (ख) चाँद (ग) कुम्हार (घ) घोड़ा (ड) शेर (च) चूहा (छ) सर्कश

3. स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-5 : लिंग

अभ्यास कार्य

1. (क) हिमालय (ख) हथेली (ग) अध्यापिका
 2. स्त्रीलिंग- गुड़िया, हथिनी, शेरनी, बुढ़िया
पुरुलिंग- मुरगा, हिरन, चाचा, बंदर
 3. (क) मालिन (ख) चहिया (ग) गाय (घ) कबतरी (ड) पंडिताइन

रचनात्मक कार्य

- स्त्रीलिंग- दादी, मम्मी, बहन
पुलिंग- दादा, पापा, भाई

पाठ-6 : वचन

अभ्यास कार्य

1. (क) रात (ख) लड़के (ग) चीटियाँ
 2. (क) फल (ख) कविता (ग) बच्चे (घ) गुब्बारे (ड) पेड़
 3. तोता-तोते, गमला-गमले, तितली-तितलियाँ, मछली-मछलियाँ

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-७ : सर्वनाम

अभ्यास कार्य

1. तुम, कौन, उन्हें

2. (क) मैं (ख) कौन (ग) यह (घ) कुछ

3. (क) तुम्हारे साथ
(ख) मैंने
(ग) मेरे साथ
(घ) उसे
(ड) मेरी

4. (क) मेरी (ख) आप (ग) अपना (घ) वह

कैरम बोर्ड खेलना अच्छा लगता है।
बहन कक्षा में प्रथम आई है।
कौन-कौन है?
आज पकौड़े खाए थे।
मेरा भाई भी चलेगा।

रचनात्मक कार्य

- रजत मदन के साथ क्रिकेट खेल रहा है। वह अच्छा क्रिकेट खिलाड़ी है। करण एक कहानी लिख रहा है। मेरी बहन उसे समझा रही है।

पाठ-8 : विशेषण

अभ्यास कार्य

- (क) विशेषण (ख) सुंदर (ग) ऊँची
- प्यारा, ठंडा, गुलाबी, मोटा, खाली, कड़बी
- (क) बहादुर (ख) मीठा (ग) सात (घ) एक
- (क) नीला (ख) खट्टा (ग) ऊँचा (घ) सफेद (ड) गोल

रचनात्मक कार्य

- सुंदर, सुगंधित, हरा, ऊँचा, खट्टा, मीठा, पका, लाल

पाठ-9 : क्रिया

अभ्यास कार्य

- (क) गर्मी हो रही है। (ख) नेहा गाती है। (ग) खेलना
- (क) पका (ख) पी (ग) तौल (घ) देख
- (क) बच्चे चलकर विद्यालय जा रहे हैं। (ख) रिया पढ़ रही है।
(ग) दादी जी टी०वी० देख रही हैं। (घ) नमन सो रहा है।

रचनात्मक कार्य

- स्वयं करें।

पाठ-10 : विलोम शब्द

अभ्यास कार्य

- (क) भारी, अच्छा, नुकसान, ज्यादा
- (क) रात (ख) छोटी
- ऊँचा-नीचा, बूढ़ा-जवान, गरम-ठंडा, मोटा-पतला, काला-सफेद, छोटा-बड़ा

रचनात्मक कार्य

- पतला, गरमी, अंदर, छाया

पाठ-11 : अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

अभ्यास कार्य

- डॉक्टर, माली, धोबी, कवि, चित्रकार

व्याकरण तरंग-1 से 5

- (क) सहपाठी (ख) कुम्हार (ग) जलचर (घ) किसान
- (क) गायिका (ख) दरजी (ग) सैनिक (घ) डाकिया

रचनात्मक कार्य

- अध्यापक, डॉक्टर, सैनिक, चिड़ियाघर

पाठ-12 : समान अर्थ वाले शब्द

अभ्यास कार्य

- (क) समान अर्थ वाले शब्दों को (ख) पानी
- वृक्ष, नयन, बादल, साँप, चिट्ठी, सूरज
- (क) चाँद (ख) गृह (ग) सूर्य (घ) पर्वत (ड) रोगी

रचनात्मक कार्य

- सूरज, सूर्य
- फूल, पुष्प

पाठ-14 : कहानी-लेखन

अभ्यास कार्य

- एक गाँव में एक लालची कुत्ता रहता था। एक दिन उसे कहीं से एक रोटी मिल गई। रोटी को देखकर उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। वह जंगल की ओर जाने लगा। रास्ते में वह पुल के ऊपर से तालाब पार कर रहा था, तभी उसकी नजर नदी के ठहरे पानी पर पड़ी। उस समय उसकी आखों में सिर्फ रोटी का लालच था। उसे यह भी पता नहीं चला कि तालाब में उसकी ही परछाई नजर आ रही है। उसे लगा नीचे भी एक कुत्ता है। जिसके पास एक और रोटी है। उसने सोचा क्यों न मैं उसकी भी रोटी छीन लू, तो मेरे पास दो रोटियाँ हो जाएँगी, ऐसा सोचकर वह जैसे ही भौका उसक मुँह से रोटी सीधे तालाब में जा गिरी। रोटी गिरते ही कुत्ते को होश आया और उसे अपने किए पर पछतावा हुआ।

शिक्षा- इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कभी भी लालच नहीं करना चाहिए।

- स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-15 : निबंध-लेखन

अभ्यास कार्य

- 1.** स्वयं करें।
- 2.** स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य
स्वयं करें।

पाठ-16 : चित्र-वर्णन

अभ्यास कार्य

- 1.** स्वयं करें।
- 2.** स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य
स्वयं करें।

व्याकरण तरंग-3

पाठ-1 : भाषा

अभ्यास कार्य

1. (क) भाषा (ख) दो (ग) हिंदी (घ) देवनागरी
2. (क) सत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) असत्य
3. (क) लिपि (ख) हिंदी (ग) दो
4. पंजाब-पंजाबी, गुजरात-गुजराती, पश्चिम बंगाल-बाँगला, महाराष्ट्र-मराठी
5. (क) भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम अपनी बातों को दूसरों तक पहुँचाते हैं और दूसरों की बातों को समझते हैं।
(ख) मौखिक भाषा बोलकर अपने भावों को प्रकट करना तथा दूसरों के विचारों को सुनकर समझ लेना भाषा का मौखिक रूप कहलाता है।
(ग) पंजाबी भाषा की लिपि गुरुमुखी व अंग्रेजी भाषा की लिपि रोमन है।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-2 : वर्ण

अभ्यास कार्य

1. (क) सबसे छोटी ध्वनि को (ख) दो (ग) 44 (घ) क्ष, त्र, झ, श्र
2. (क) वर्ण (ख) वर्णमाला (ग) ग्यारह (घ) तैतीस
3. ऊँट, घंटी, बंदर, साँप, चाँद, पतंग, मूँछ, भिंडी
4. कबूतर, हाथी, तोता, शेर

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-3 : मात्राएँ

अभ्यास कार्य

1. (क) ऋ की (ख) उ की
2. (क) असत्य (ख) सत्य (ग) सत्य
3. किताब, गुलाब, बिल्ली, सूरज
4. माला-जाला, गुलाब-मधुर, कौआ-औरत, नृप-कृषक

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-4 : शब्द और वाक्य

अभ्यास कार्य

1. मगर, गुलाब, कलश, तितली
2. (क) शब्द किसे कहते हैं? (ख) मेरे बस्ते में पेंसिल है। (ग) धोबी ने कपड़ा धोया।
(घ) दिल्ली से नानी आई। (ड) मेरी कमीज़ नीली है।
3. (क) शेर जंगल का राजा है।
(ख) पहाड़ बहुत ऊँचा है।
(ग) पृथ्वी बहुत बड़ी है।
(घ) समुद्र बहुत विशाल है।
(ड) आज हवा बहुत ठंडी है।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-5 : संज्ञा

अभ्यास कार्य

1. (क) आम (ख) दीपक (ग) राम सहाय (घ) खुशी
2. (क) दिल्ली, भारत (ख) चीन, राजा (ग) स्कूल (घ) हवा, दरवाज़ा
(ड) कुम्हार, बरतन
3. व्यक्ति- मोहन, रजनी, सविता, रामपाल
वस्तु- पुस्तक, कुर्सी, घोसला, पानी
स्थान- चंडीगढ़, अमेरिका, मुंबई, लालकिला
भाव- दया, बचपन, प्रेम, मित्रता

रचनात्मक कार्य

1. चॉक 2. मेज 3. चार्ट 4. श्यामपट्ट 5. पुस्तक 6. रबड़ 7. पेंसिल 8. डस्टर 9. कुर्सी
2. बस, कलम, जैम, कार, पतंग, टोपी, गेंद

पाठ-6 : लिंग

अभ्यास कार्य

1. (क) सत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) सत्य (ड) असत्य
2. अध्यापक-अध्यापिका, धोबी-धोबिन, मोर-मोरनी, दूल्हा-दुल्हन, ससुर-सास

व्याकरण तरंग-1 से 5

- 3.** (क) हिरन अपने के साथ खेल रहा है।
 (ख) दुल्हन बहुत सुंदर लग रही है।
 (ग) हथिनी जंगल में घूम रही है।
 (घ) लड़के खेल रहे हैं।
 (ड) दादी जी सेवरे घूमने जाती है।
- 4.** (क) शब्द के जिस रूप से यह पता चले कि संज्ञा शब्द पुरुष जाति का है या स्त्री जाति का, उसे लिंग कहते हैं।
 (ख) पुलिंग- जिन शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता है, वे पुलिंग कहलाते हैं; जैसे- राजा, धोबी आदि।
 स्त्रीलिंग- जिन शब्दों से स्त्री जाति का बोध होता है, वे स्त्रीलिंग कहलाते हैं; जैसे- शेरनी, रानी, धोबिन आदि।
 (ग) शिक्षिका, गाय, मोरनी, बकरी, लड़की आदि है।

रचनात्मक कार्य

- स्त्रीलिंग, पुलिंग, पुलिंग, पुलिंग, स्त्रीलिंग, पुलिंग

पाठ-7 : वचन

अभ्यास कार्य

- 1.** (क) एक का (ख) बहुवचन
2. पुस्तके, महिलाएँ, पत्ति, दवाई, खिलौना, मछलियाँ, आँख, कथाएँ
- 3.** (क) बच्चा शोर मचा रहा है।
 (ख) पतंगे आसमान में उड़ रही हैं।
 (ग) खेत में घोड़े दौड़ रहे हैं।
 (घ) छात्र पुस्तक पढ़ रहा है।
 (ड) चूहे दौड़ रहे हैं।
- 4.** (क) शब्द के जिस रूप से हमें वस्तु या प्राणी के एक या अनेक (एक से अधिक) होने का पता चलता है, उसे वचन कहते हैं।
 (ख) वचन के दो भेद होते हैं- एकवचन, बहुवचन

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-8 : सर्वनाम

अभ्यास कार्य

1. (क) सर्वनाम (ख) तुम्हारा (ग) रवि (घ) हम
2. (क) वे (ख) उसे (ग) यह (घ) तुम (ड) इन्हें
3. (क) आप (ख) मैं (ग) वह (घ) कोई

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-9 : विशेषण

अभ्यास कार्य

1. (क) लाल (ख) रोचक (ग) तीन मीटर
2. (क) हरी (ख) दूसरी (ग) तीन (घ) बारह
3. (क) सफेद-खरगोश (ख) कड़वी-दवाई (ग) हरी-पत्ती (घ) कच्चा-फल
4. (क) नए (ख) पाँच (ग) ऊँचा (घ) पढ़ा-लिखा

रचनात्मक कार्य

गरम, लाल, चालाक

पाठ-10 : क्रिया

अभ्यास कार्य

1. (क) क्रिया (ख) क्रिया के बिना (ग) पढ़ना
2. (क) अध्यापिका → इलाज करता है।
 (ख) डॉक्टर → मछली पकड़ता है।
 (ग) मोची → कपड़े सिलता है।
 (ख) धोबी → पढ़ाती है।
 (ख) दरजी → डाक बाँटता है।
 (ख) मछुआरा → कपड़े धोता है।
 (ख) डाकिया → जूते बनाता है।
3. (क) पढ़ता (ख) स्वयं करें (ग) पी (घ) चला (ड) स्वयं करें (च) सुनाती
4. (ख) खेलना, पढ़ना, दौड़ना
5. (क) शब्द के जिस रूप से किसी काम के करने या होने का पता चलता है, उसे क्रिया कहते हैं।

(ख) नाचना, गाना, सोना

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-11 : पर्यायवाची शब्द

अभ्यास कार्य

1. (क) कामना, अभिलाषा (ख) अमृत, आनंद (ग) आनंद, हर्ष, आग
2. (क) बगीचा-उपवन-बाग, शाम-संध्या-साँझ, सूर्य-दिनकर-भानु, भूमि-धरती-जमीन, पर्वत-नग-पहाड़, हवा-अनिल-वायु, मित्र-सखा-दोस्त
3. (क) मेघ, जलघर, अंबुद (ख) पहाड़, नग, गिरि (ग) अरण्य, वन, वनचर (घ) सागर, पर्याधि, नदीश (ड) दामिनी, शया, तड़ित

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-12 : विलोम शब्द

अभ्यास कार्य

1. (क) उलटा अर्थ देने वाले शब्द को (ख) दुख
 2. (क) ज्ञानी
(ख) धनी
(ग) शत्रु
(घ) शाम
(ड) अपना
(च) अंदर
 3. (क) अन्याय (ख) असुंदर (ग) अशुभ (घ) अशुद्ध (ड) असभ्य (च) अज्ञानी
(छ) अधर्म (ज) अयोग्य
 4. (क) आगे (ख) जल्दी (ग) दुख (घ) उजाला (ड) उत्तर (च) हार
- मित्र
बाहर
पराया
अज्ञानी
निर्धन
सुबह

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-13 : अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

अभ्यास कार्य

1. (क) लुहार (ख) परोपकारी (ग) चित्रकार (घ) मांसाहारी
2. (क) लुहार (ख) मासिक (ग) सहपाठी (घ) मूर्तिकार
3. (क) कवि (ख) डॉक्टर

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-14 : मुहावरे

अभ्यास कार्य

1. (क) मुहावरों से (ख) बहुत प्यारा (ग) मूर्ख बनाना
2. (क) टाँग अड़ाना (ख) हवा से बातें करने (ग) सीना खुशी में फूल गया। (घ) पीठ थपथपाई
3. (क) आँसू बहना- बहन की विदाई के समय भाई की आँखें भर आई।
(ख) दाँत खट्टे करना- कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों ने दुश्मनों के दाँत खट्टे कर दिए।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-16 : पत्र

अभ्यास कार्य

1. स्वयं करें। 2. स्वयं करें।

पाठ-17 : निबंध-लेखन

अभ्यास कार्य

1. मेरा जन्मदिन 17 अक्टूबर को आता है। इस दिन मैं सुबह जल्दी उठता हूँ। नहा-धोकर नए कपड़े पहनता हूँ। फिर मैं अपने माता-पिता से आशीर्वाद लेता हूँ। मेरे माता-पिता हर साल मेरा जन्मदिन बहुत धूमधाम से मनाते हैं। इस दिन माँ बढ़िया-बढ़िया पकवान बनाती हैं। सब मिलकर घर को गुब्बारों से सजाते हैं। शाम के समय मेरी माँ मेरे सभी दोस्तों को पार्टी में बुलाती हैं। मैं जन्मदिन का केक काटता हूँ। मेरे सभी मित्र मुझे उपहार देते हैं। उसके बाद हम सभी दोस्त मिलकर खेल खेलते हैं। पिता जी सभी की फोटो खींचते हैं। इस प्रकार हर साल मेरा जन्मदिन धूमधाम से मनाया जाता है।

2. स्वयं करें।

पाठ-18 : कहानी-लेखन

अभ्यास कार्य

1. एक कुत्ता था। उसे भूख लगी थी। भोजन की तलाश में वह इधर-उधर घूमने लगा। उसे रोटी का एक टुकड़ा मिला। रोटी का टुकड़ा मुँह में दबाए वह नदी पर बने पुल पर जा रहा था। तभी उसने नदी में अपनी परछाई देखी। उसने समझा नदी में

दूसरा कुत्ता है। उसने सोचा कि क्यूँ न मैं इस कुत्ते का भी रोटी का टुकड़ा छीन लूँ। उसने नदी में दिखाई देने वाले परछाई को डराना चाहा। वह ज़ोर से भौंका। उसके भौंकते ही उसके मुँह में दबा रोटी का टुकड़ा पानी में गिर पड़ा कुत्ता हाथ मलता रह गया।

2. स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-19 : अपठित गद्यांश

अभ्यास कार्य

1. (क) गाय, भैंस, बकरी, से हमें दूध मिलता है।

(ख) घोडे सवारी तथा गधा बोझ ढोने के काम आते हैं।

2. (क) पशु (ख) जंगल (ग) घर (घ) मित्र

3. संज्ञा- जंगल, घर, शेर, बाघ, चीता, लोमड़ी हिरण, भेड़िया, गीदड, कुत्ता, बिल्ली, बकरी, गाय, भैंस, हाथी, चूहा, बैल, गधे, घोडे, मित्र आदि।

सर्वनाम- उन्हें, इसे हम, हमारे, हमें।

(ख) 1. अपनी तेज़ चाल पर

2. धीमी चाल के लिए

3. मुझे थोड़ी देर के लिए आराम कर लेना चाहिए।

4. सबक

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

व्याकरण तरंग-4

पाठ-1 : भाषा और व्याकरण

अभ्यास कार्य

1. (क) असत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) सत्य
2. पंजाबी-गुरुमुखी, जर्मन-रोमन, मराठी-देवनागरी, बंगाली-बাঁगলা, अंग्रेजी-रोमन
3. (क) भाषा (ख) मौखिक, लिखित (ग) देवनागरी (घ) लिपि (ड) व्याकरण
4. (क) भाषा वह साधन है जिसके माध्यम से हम सोचते हैं और अपने मन के भावों को व्यक्त करते हैं।
(ख) भाषा को लिखने के लिए निश्चित किए गए चिन्हों को लिपि कहते हैं जैसे- देवनागरी, रोमन।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-2 : वर्ण, वर्णमाला और मात्राएँ

अभ्यास कार्य

1. (क) वर्ण (ख) 44 (ग) नाक से (घ) आँ
 2. पतंग-बंदर-सुंदर, आँख-चाँद-चिड़ियाँ, अतः-प्रातः-नमः
 3. रुपए, नदी, पैसा, नौकरी, तितली
 4. (क) वर्ण भाषा की सबसे छोटी इकाई है।
(ख) किसी भी भाषा में प्रयुक्त होने वाले वर्णों के समूह को वर्णमाला कहते हैं।
(ग) स्वर-जिन वर्णों को बोलते समय किसी अन्य वर्ण की सहायता न लेनी पड़े, उन्हें स्वर कहते हैं। ये 11 होते हैं।
- व्यंजन-जिन वर्णों का उच्चारण स्वर की सहायता से होता है, उन्हें व्यंजन कहते हैं। किसी भी व्यंजन वर्ण का उच्चारण बिना स्वर की सहायता के नहीं किया जा सकता है। हिंदी भाषा में कुल 33 व्यंजन हैं।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-3 : शब्द

अभ्यास कार्य

1. (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य
2. (क) वर्णों के सार्थक समूह को (ख) दो (ग) कवौरी
3. सार्थक शब्द- बोतल, औरत, गिलास, रेलगाड़ी, बचपन, सज्जी

निरर्थक शब्द- मसुन, तालकी, दई, स्तीदो, रदसुं, इक्स

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-4 : वाक्य

अभ्यास कार्य

1. (क) वाक्य (ख) दो (ग) उद्देश्य
2. (क) उद्देश्य- हाथी, जंगल विधेय- जंगल में रहता है।
(ख) उद्देश्य- सहवाग ने विधेय- श्रीलंका की टीम की छुट्टी कर दी।
(ग) उद्देश्य- बच्चा विधेय- कमरे में सो रहा है।
(घ) उद्देश्य- आम विधेय- फलों का राजा है।
3. (क) बच्चे उपवन में खेल रहे हैं।
(ख) कक्षा में छात्र पढ़ रहे हैं।
(ग) रिया नृत्य कर रही है।
(घ) अध्यापिका विद्यालय जा रही है।
4. (क) वाक्य के दो अंग होते हैं- उद्देश्य और विधेय।
(ख) उद्देश्य- वाक्य में, जिसके बारे में कोई बात कही जाए, उसे उद्देश्य कहते हैं।
विधेय- वाक्य में, उद्देश्य के बारे में जो कुछ कहा जाए, उसे विधेय कहते हैं।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-5 : संज्ञा

अभ्यास कार्य

1. (क) तीन (ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा (ग) भाववाचक संज्ञा
2. (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा (ख) जातिवाचक संज्ञा (ग) भाववाचक संज्ञा
(घ) जातिवाचक संज्ञा (ड) व्यक्तिवाचक संज्ञा
3. व्यक्तिवाचक संज्ञा- सूरदास, मथुरा, रामायण
जातिवाचक संज्ञा- लोमड़ी, मोरा, घोड़ा
भाववाचक संज्ञा- बुद्धा, कड़वाहट, हरियाली
4. (क) किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, प्राणी तथा भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

(ख) जातिवाचक संज्ञा- जो शब्द किसी विशेष वस्तु या प्राणी का नहीं बल्कि उसकी पूरी जाति का बोध कराते हैं, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं;
विधेय- वाक्य में, उद्देश्य के बारे में जो कुछ कहा जाए, उसे विधेय कहते हैं।

(ग) दोस्ती, बचपन, मानवता और बुद्धापा।

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा- किसी विशेष व्यक्ति, स्थान या वस्तु के नाम को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे- सचिन टेंदुलकर, अमिताभ बच्चन, लालकिला, दिल्ली, गंगा, रामायण आदि।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-6 : लिंग

अभ्यास कार्य

1. (क) लिंग (ख) कवयित्री (ग) छात्रा
2. पुल्लिंग- पहाड़, समुद्र, कागज, आम, पेड़, चश्मा
स्त्रीलिंग- तितली, घोड़ी, बरफी, कागज, नदी, किताब, हवा
3. (क) बाग में मालिन काम कर रही है।
(ख) बड़ी होकर में लेखिका बनूँगी।

- (ग) धोबी कपड़े धोता है।
- (घ) मेरी माताजी विदेश गयी हैं।
- (ङ) मेरी मित्र बहुत अच्छी गायिका है।

4. स्त्रीलिंग शब्द- शिक्षिका, बालिका, नौकरानी, गंगा

पुल्लिंग शब्द- पंडित, सेवक, धोबी, हिमालय

- 5.** (क) शब्द के जिस रूप से स्त्री या पुरुष जाति का बोध हो, उसे लिंग कहते हैं।
- (ख) **पुल्लिंग-** जिन संज्ञा शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता है, उन्हें पुल्लिंग कहते हैं।
- (ग) **पुल्लिंग-** आम, लड़का
- स्त्रीलिंग-** लड़की, यमुना

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-7 : वचन

अभ्यास कार्य

- 1.** (क) बहुवचन (ख) एकवचन (ग) एकवचन
- 2.** (क) कमरे (ख) कहानी (ग) सब्जियाँ (घ) साधु (ङ) बच्चे
- 3.** एकवचन, बहुवचन, बहुवचन, एकवचन, बहुवचन, बहुवचन
- 4.** (क) माला ने फूलों की माला बनाई।
 (ख) अध्यापक ने छात्रों से पौधे लगवाएँ।
 (ग) मेरी दो बहनें हैं।
 (घ) मेरी पुस्तके कंप्यूटर के पास रखी हैं।
- 5.** (क) संज्ञा शब्द के जिस रूप से प्राणी या वस्तु के एक या अनेक होने का पता चले, उसे वचन कहते हैं।
 (ख) वचन के दो भेद होते हैं- एकवचन, बहुवचन
 (ग) तोता, केला
 (घ) लड़कियाँ किताबें
- 6.** **एकवचन-** हाथ, पंखा, कन्या, टोकरी, दवाई, अमरुद, कमरा, अंगूर, मशीन, फूल, बल्ला, अध्यापक

बहुवचन- कुर्सियाँ, कन्याएँ, बच्चे, पुस्तकें, आखें, सड़कें, स्त्रियाँ, नदियाँ, छाते, केले, लड़के, कपड़े

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-8 : सर्वनाम

अभ्यास कार्य

1. (क) सर्वनाम (ख) पुनरावृत्ति दोष से बचने हेतु (ग) निश्चयवाचक
2. (क) तुम (ख) वह (ग) आप (घ) उसने
3. स्वयं करें।
4. (क) वह (ख) वह, स्वयं (ग) स्वयं (घ) वह
5. (क) स्वयं (ख) मैं (ग) वह (घ) मैं
6. (क) संज्ञा के स्थान पर प्रयोग होने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।
(ख) सर्वनाम के छह भेद हैं- 1. पुरुषवाचक सर्वनाम 2. निश्चयवाचक सर्वनाम
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम 4. प्रश्नवाचक सर्वनाम 5. संबंधवाचक सर्वनाम
6. निजवाचक सर्वनाम
(ग) निश्चयवाचक- मुझे यह चाहिए।
अनिश्चयवाचक- कोई दरवाज़ा खटखटा रहा है।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-9 : विशेषण

अभ्यास कार्य

1. (क) विशेषण (ख) विशेष (ग) मेधावी (घ) संख्यावाचक
2. (क) दो (ख) तीन (ग) तिरंगा (घ) मीठा (ड) काले
3. (क) सत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ड) असत्य
4. युवती-आकर्षक, संगीत-मधुर, सूचना-शुभ, जंगल-घना, झांडा-तिरंगा

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-10 : क्रिया

अभ्यास कार्य

1. (क) क्रिया काम की विशेषता बताती है। (ख) जिस क्रिया में कर्म नहीं होता।
2. (क) लाऊँगा (ख) पकड़ी (ग) बजा रहा है। (घ) लगी (ङ) सीख रहे हैं।
3. (क) राम, रावण (ख) नेहा, गाना (ग) मीरा, वीणा (घ) विद्यार्थी, पाठ (ङ) बच्चे, क्रिकेट (च) शैलजा, हलवा
4. (क) जिस शब्द से किसी काम का करना या होना पाया जाए, उसे क्रिया कहते हैं।
(ख) क्रिया के दो भेद होते हैं- 1. सकर्मक क्रिया 2. अकर्मक क्रिया
(ग) अकर्मक क्रिया- शेर दोड़ता है। सकर्मक क्रिया- रिया पुस्तक पढ़ रही है।
5. (क) सकर्मक क्रिया (ख) अकर्मक क्रिया (ग) सकर्मक क्रिया (घ) अकर्मक क्रिया
(ङ) अकर्मक क्रिया

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-11 : शब्द-भंडार

1. पर्यायवाची शब्द

अभ्यास कार्य

1. (क) सरिता, तटिनी (ख) पृथ्वी, भूमि (ग) दिवा, दिवस (घ) पथ, राह
2. (ख) उपवन में सुंदर फूल खिले हैं।
(ख) माँ सुबह सूर्य की पूजा करती है।
(ग) आज रास्ते में मुझे अपना मित्र मिला।
3. (क) आँख-नेत्र, पेड़-वृक्ष, साँप-सर्प, बेटी-सुता, फूल-कुसुम, औरत-नारी

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

2. विलोम शब्द

अभ्यास कार्य

1. (क) निर्दयी (ख) दोष (ग) पुराना (घ) धरती
2. अनेक, रात, पुण्य, उत्तर, सच, गर्म, गरीब, दुख

3. (क) दिन (ख) गुण (ग) छिपता है (घ) उजाला (ड) आसान (च) निडर
रचनात्मक कार्य
स्वयं करें।

3. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

अभ्यास कार्य

- 1.** (क) ग्रामीण (ख) साप्ताहिक (ग) आज्ञाकारी (घ) प्राचीन
- 2.** (क) अनपढ़ (ख) अल्पाहारी (ग) मूक (घ) वार्षिक (ड) यात्री (च) कामचोर
- 3.** स्वयं करें।
- 4.** (क) परिश्रमी (ख) शहरी (ग) अनाथ (घ) परोपकारी

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-12 : विराम-चिह्न

अभ्यास कार्य

- 1.** (क) पूर्ण विराम (ख) तुमने आम क्यों नहीं खाए? (ग) विस्मयादिबोधक चिह्न
- 2.** तेज बारिश हो रही थी। बंदर ठंड के मारे काँप रहा था। तभी चिड़िया, तोता, मैना, आए उन्होंने उसे एक चादर लाकर दी; फिर तीनों ने मिलकर पकौड़ी खाई वाह! क्या पकौड़ी बनी है।
- 3.** (क) भावों को व्यक्त करने के लिए वाक्यों के मध्य या अंत में रुकने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, वे विराम-चिह्न कहलाते हैं।
(ख) जहाँ वाक्य पूरी तरह समाप्त हो जाते हैं, वहाँ पूर्ण विराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है।
(ग) प्रश्नवाचक चिह्न(?) - प्रश्न लिखते समय वाक्य के अंत में प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे- क्या तुम मेरे दोस्त बनोगे?

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-13 : अशुद्धि-शोधन

अभ्यास कार्य

- 1.** (क) कृपया (ख) चिह्न (ग) परीक्षा (घ) स्वास्थ्य

- अध्ययन, गुरु, कवि, प्रश्न, अनपढ़, प्रमाण, दृश्य, सञ्ज्ञियाँ, प्रतिज्ञा, दुश्मन
- (क) उसकी बात सही है।
 (ख) आप कैसे हैं?
 (ग) वे आएँ हैं।
 (घ) उसने मुझे पुस्तक दी।
 (ङ) वह हमेशा साफ कपड़े पहनता है।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-14 : मुहावरे

अभ्यास कार्य

- (क) बहुत डर जाना (ख) कुछ काम न करना (ग) भूल का अहसास होना (घ) घबरा जाना
- (क) अँगूठा दिखा (ख) फूली न समायी (ग) दाँत खट्टे कर (घ) कमर कस
 (ङ) नाक में दम कर
- (क) अकल पर पत्थर पड़ना- उस अजनबी ने मुझे धोखा दिया। मेरी अकल पर
 पत्थर पड़ गए थे जो मैंने इस पर भरोसा किया।
 (ख) दाँतों तेले उगली दबाना- उसकी तैयारी देखकर सबने दाँतों तले उँगली
 दबाली।
 (ग) पेट में चूहे कूदना- भूख के मारे पेट में चूहे कूद रहे हैं।
 (घ) मक्खी मारना- नौकरी छोड़ने के बाद सुनील दिनभर बैठा मक्खी मारता
 रहता है।
 (ङ) आस्तीन का साँप- रवि ने सुनील के खिलाफ गवाही दी, वैसे वो कहता था
 मैं तेरा पक्का दोस्त हूँ पर वह तो आस्तीन का साँप निकला।

4. स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-15 : पत्र-लेखन

अभ्यास कार्य

1. स्वयं करें।

पाठ-16 : निबंध-लेखन

अभ्यास कार्य

1. स्वयं करें।

व्याकरण तरंग-5

पाठ-1 : भाषा और व्याकरण

अभ्यास कार्य

1. (क) गाय धास खा रही है।
 (ख) मेरी दादी जी आई हैं।
 (ग) चार बालकों ने गीत गाया।
 (घ) कमल ने अपने कपड़े धो लिए।
2. (क) असत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) सत्य
3. अंग्रेजी-रोमन, पंजाबी-गुरुमुखी, उर्दू-फारसी, संस्कृत-देवनागरी, बंगाली-बाँगला
4. मौखिक भाषा, मौखिक भाषा, मौखिक भाषा
5. (क) बोलकर या लिखकर अपने भावों या विचारों का आदान-प्रदान करने का साधन भाषा है।
 (ख) प्रत्येक वर्ष 14 सिंतबर, 1949 को संविधान में राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया।
 (ग) हमारे देश की राजभाषा हिंदी है।
 (घ) जो शास्त्र हमें वर्णों, शब्दों और वाक्यों के शुद्ध प्रयोग की जानकारी देता है, वह व्याकरण कहलाता है।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-2 : वर्ण, वर्णमाला और मात्रा

अभ्यास कार्य

1. (क) असत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) सत्य (ड) सत्य
2. (क) कमल (ख) व्यंजन (ग) गाँव (घ) संयुक्त व्यंजन
3. संयुक्त व्यंजन- वृक्ष, परिश्रम, पत्र, त्रिकाल, ज्ञानी, श्रमिक, पत्ता, अम्मा, गुब्बारा, गद्दा, क्यारी, स्वच्छ
4. (क) व + इ + द + अ + य + आ + ल + अ + य + अ
 (ख) क् + अ + म + प + य + ऊ + ट् + अ + र + अ

(ग) क + इ + र + क + ए + द्

5. पतंग, पाँच, चांदी, सितंबर, अंधेरा, संतरा, खांसी, बंदूक

6. स्वयं करें।

7. (क) वर्णों के समूह को वर्णमाला कहते हैं।

(ख) स्वर- जिन वर्णों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से किया जाता है, वे वर्ण स्वर कहलाते हैं।

व्यंजन- व्यंजन का उच्चारण करते समय स्वर की सहायता लेनी पड़ती है।

(ग) ह्रस्व स्वर- जिन स्वरों का उच्चारण करते समय कम समय लगता है, वे ह्रस्व स्वर कहलाते हैं।

दीर्घ स्वर- जिन स्वरों का उच्चारण करते समय स्वर स्वरों से लगभग दोगुना समय लगता है, वे दीर्घ स्वर कहलाते हैं।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-3 : शब्द और उसके भेद

अभ्यास कार्य

1. (क) रात्रि (ख) क्षेत्र (ग) घर

2. रात, मोर, सूरज, पहाड़, दाँत, सच

3. (क) शब्दों का वर्गीकरण चार आधार पर किया गया है-

• उत्पत्ति/स्रोत के आधार पर (शब्द आए कहाँ से?)

• रचना/बनावट के आधार पर (शब्द बने कैसे?)

• अर्थ के आधार पर (शब्द बने कैसे?)

• प्रयोग के आधार पर (परिवर्तित और अपरिवर्तित रहने वाले शब्द)

(ख) उत्पत्ति या स्रोत के आधार पर शब्द चार प्रकार के होते हैं- तत्सम, तद्भव, देशज, और विदेशज (आगत)

(ग) **विकारी शब्द-** लिंग, वचन, काल, कारक के कारण जिन शब्दों का रूप परिवर्तित हो जाता है, वे विकारी शब्द कहलाते हैं। संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण विकारी शब्द हैं।

अविकारी शब्द- लिंग, वचन, काल, कारक के कारण जिन शब्दों का रूप परिवर्तित नहीं होता वे अविकारी शब्द कहलाते हैं।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-4 : वाक्य

अभ्यास कार्य

1. (क) संदेहवाचक वाक्य (ख) इच्छावाचक वाक्य (ग) निषेधवाचक वाक्य
2. (क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य (ग) मिश्र वाक्य
3. (क) करुणा कविता सुन रही है। (ख) वह रोचक कहानी पढ़ रहा है।
(ग) अध्यापक छात्रों को हिंदी पढ़ाते हैं।
4. (क) **विधेय-** विधेय में मुख्य रूप से उद्देश्य के बारे में बात की जाती है।
उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाता है, वह विधेय कहलाता है।
(ख) • विधानवाचक वाक्य
• निषेधवाचक वाक्य
• प्रश्नवाचक वाक्य
• आज्ञावाचक वाक्य
• संदेहवाहक वाक्य • इच्छावाचक वाक्य • संकेतवाचक वाक्य • विस्मयादिबोधक वाक्य
(ग) इन वाक्यों में किसी काम के नहीं करने का पता चलता है।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-5 : संज्ञा

अभ्यास कार्य

1. (क) व्यक्तिवाचक (ख) व्यक्तिवाचक (ग) जातिवाचक (घ) समूहवाचक
(ड) वस्तुवाचक (च) जातिवाचक (छ) व्यक्तिवाचक
2. (क) सत्य (ख) असत्य (ग) असत्य (घ) सत्य
3. (क) किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, प्राणी या भाव के नाम का बोध कराने वाले शब्द संज्ञा कहलाते हैं।

(ख) संज्ञा के तीन भेद होते हैं- 1. व्यक्तिवाचक संज्ञा 2. जातिवाचक संज्ञा 3. भाववाचक संज्ञा

(ग) समुदायवाचक संज्ञा- जिस संज्ञा शब्द से किसी समूह या समुदाय का बोध हो, उसे समुदायवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे- सेना, टोली, कक्षा, परिवार, मंच, सभा, झुंड, दल आदि।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-6 : संज्ञा के विकार

1. लिंग

अभ्यास कार्य

1. (क) इनमें से कोई नहीं (ख) पुल्लिंग (ग) स्त्रीलिंग

2. (क) ठकुराइन (ख) हलवाइन (ग) लेखिका (घ) ग्वालिन

3. (क) मंदारी बंदरिया को नचा रहा है।

(ख) लेखिका ने पुस्तक लिखी।

(ग) कवयीत्रि कविता सुना रही है।

(घ) वह एक वीरांगना स्त्री थी।

4. वाक्य- यह काला कौवा है।

वाक्य- कोयल काले रंग की होती है।

वाक्य- नमन बहुत अच्छा लड़का है।

वाक्य- मनीष अच्छी अध्यापिका है।

5. (क) लिंग, वचन तथा कारक के कारण संज्ञा का रूप बदलता है।

(ख) संज्ञा के जिस रूप से उसके स्त्री जाति अथवा पुरुष जाति के होने का पता चलता है, उसे लिंग कहते हैं। लिंग के दो भेद होते हैं- 1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग

(ग) सदैव स्त्रीलिंग- गिलहरी, मक्खी, छिपकली, कोयल

सदैव पुल्लिंग- खरगोश, खटमल, तोता, बाज

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

2. वचन अभ्यास कार्य

1. खटियाँ, भाषाएँ, महीने, रेखाएँ, नारीगण, डालियाँ, दरवाजे, दवाइयाँ

2. (क) लड़कियाँ मैदान में खेल रही हैं।

(ख) भेड़-बकरियाँ घास चर रही हैं।

(ग) महिलाएँ नाच रही हैं।

(घ) गुरु सम्मान के पात्र हैं।

(ङ) हाथी घूम रहे हैं।

3. (क) छात्र पढ़ रहे हैं।

(ख) बच्चे खेल रहे हैं।

(ग) घोड़े दौड़ रहे हैं।

(घ) विद्यार्थी शांत बैठे हैं।

(ङ) यह पौधे सुंदर हैं।

(च) हमारी अध्यापिकाएँ अच्छा पढ़ाती हैं।

4. (क) चीजें (ख) लड़के (ग) तोता (घ) पुस्तकें

5. (क) संज्ञा के जिस रूप से उसकी संख्या का बोध हो, उसे वचन कहते हैं।

(ख) एकवचन- संज्ञा के जिस रूप से एक ही वस्तु का बोध होता है, उसे एकवचन कहते हैं; जैसे- बच्चा किताब पढ़ रहा है। मछली तैर रही है।

बहुवचन- संज्ञा के जिस रूप सक एक से अधिक वस्तुओं का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते हैं; जैसे- बच्चे किताब पढ़ रहे हैं। मछलियाँ तैर रही हैं।

(ग) हस्ताक्षर, दर्शन, प्राण

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

3. कारक अभ्यास कार्य

1. कर्ता कारक, कर्म कारक, करण कारक, अपादान कारक, अधिकरण कारक

2. (क) ने, से (ख) से (ग) की (घ) में (ड) का, में (च) पर
3. (क) यह आम आपके लिए है।
 (ख) माचिस से आग जलाओ।
 (ग) पेड़ से पत्ते गिरे।
4. (क) से, के द्वारा (ख) के लिए (ग) में, पर (घ) है, अरे (ड) को (च)
 का, के, की; रा, रे, री (छ) से (अलग होना) (ज) ने
5. (क) संज्ञा या सर्वनाम शब्दों का क्रिया के साथ संबंध बताने वाले शब्दों को कारक
 कहते हैं।
 (ख) कारक के आठ भेद हैं- 1. कर्ता 2. कर्म 3. करण 4. संप्रदान 5. अपादान
 6. संबंध 7. अधिकरण 8. संबोधन
 (ग) करण कारक में जहाँ पर 'से' का प्रयोग साधन के लिए होता है, वहीं
 अपादान कारक में अलग होने के लिए किया जाता है।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-7 : सर्वनाम

अभ्यास कार्य

1. (क) संबंधवाचक सर्वनाम (ख) अनिश्चयवाचक सर्वनाम (ग) प्रश्नवाचक
 सर्वनाम
 (घ) पुरुषवाचक सर्वनाम
2. (क) असत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) असत्य
3. (क) मुझे आज विद्यालय नहीं जाना।
 (ख) मैं अपना काम कर रहा हूँ।
 (ग) किसने काँच तोड़ डाला?
4. (क) गुरु जी, आप खाना खा लो।
5. (क) जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते हैं।
 (ख) सर्वनाम के छह भेद होते हैं- 1. पुरुषवाचक सर्वनाम 2. निश्चयवाचक सर्वनाम
 3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम 4. संबंधवाचक सर्वनाम 5. प्रश्नवाचक सर्वनाम
 6. निजवाचक सर्वनाम

- (ग) निश्चयवाचक सर्वनाम- जो सर्वनाम शब्द पास या दूर की किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु की ओर संकेत करें, वे निश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
- अनिश्चयवाचक सर्वनाम- जो सर्वनाम शब्द किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध नहीं करते, वे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-8 : विशेषण

अभ्यास कार्य

1. (क) सर्वनाम (ख) सार्वनामिक विशेषण (ग) सर्वनाम (घ) सार्वनामिक विशेषण
2. (क) नीली- गुणवाचक विशेषण (ख) रंग-बिरंगे- गुणवाचक विशेषण (ग) पाँच- संख्यावाचक विशेषण
3. (क) मेज पर दो गिलास हैं।
(ख) आज कक्षा में बहुत सारे बच्चे आए हैं।
(ग) मुझे एक लीटर तेल दे दो।
4. (क) विशेषण (ख) गुणवाचक (ग) सार्वनामिक (घ) परिमाणवाचक (ड) संख्यावाचक

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-9 : क्रिया

अभ्यास कार्य

1. (क) सकर्मक क्रिया (ख) सकर्मक क्रिया (ग) अकर्मक क्रिया (घ) सकर्मक क्रिया
2. माता जी खाना-बना रही है।, पुनीता गाना-गा रही है।, रोहन पुस्तक-पढ़ रहा है।, पिता जी दफ्तर-जा रहे हैं।, आकाश में पक्षी-उड़ रहे हैं।
3. (क) बजा- मीरा, सितार (ख) चला- अर्जुन, तीर (ग) बना- सूरज, चित्र
4. (क) सुनामी (ख) मचाओ (ग) रहता है।
5. (क) जिन शब्दों से किसी काम को होना या करना मालूम होता है, उन्हें क्रिया कहते हैं।

(ख) सकर्मक क्रिया- जिस क्रिया के पूर्ण होने के लिए कर्म का होना आवश्यक होता है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं।

अकर्मक क्रिया- जिस क्रिया के पूर्ण होने के लिए कर्म का होना आवश्यक नहीं होता है, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-10 : काल

अभ्यास कार्य

1. (क) भविष्यकाल (ख) भूतकाल (ग) भविष्यकाल (घ) वर्तमानकाल (ड) वर्तमानकाल
(च) भूतकाल
2. (क) सत्य (ख) असत्य (ग) असत्य (घ) सत्य (ड) असत्य
3. (क) माता जी कपड़े सुखा रही थी।
(ख) मालती गीत गायेगी।
(ग) कुम्हार मिट्टी के बरतन बना रहा है।
(घ) कल स्कूल में बाल दिवस मनाया जायेगा।
(ड) सीमा पुस्तक-मेला देखने गयी थी।
4. (क) क्रिया के जिस रूप से उसके होने के समय का पता चलता है, उसे काल कहते हैं।
(ख) भूतकाल- क्रिया के जिस रूप से उसके बीते हुए समय में होने का पता चले, उसे भूतकला कहते हैं।
वर्तमान काल- क्रिया के जिस रूप से उसके वर्तमान अर्थात् इसी समय में होने का पता चलता है, उसे वर्तमान काल कहते हैं।
(ग) भविष्यत् काल- क्रिया के जिस रूप से कार्य के आने वाले समय में होने का पता चलता है, उसे भविष्यत् काल कहते हैं।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-11 : अविकारी शब्द

1. अविकारी शब्द

अभ्यास कार्य

1. (क) धीर-धीरे- रीतिवाचक (ख) कल लौटा- कालवाचक (ग) सोता- परिमाणवाचक
(घ) बैठा- स्थानवाचक
2. (क) अब (ख) तेज (ग) जल्दी (घ) बाहर
3. (क) रवि बहुत सुंदर लड़का है।
(ख) रिया बहुत सुंदर चित्र बनाती है।
(ग) अविका बहुत अच्छी लड़की है।
(घ) पिताजी अच्छी बातें बताते हैं।
4. (क) जो शब्द क्रिया की रीति (ढंग), स्थान, समय तथा परिमाण की विशेषता बताते हैं, वे क्रियाविशेषण कहलाते हैं।
(ख) क्रियाविशेषण चार प्रकार के होते हैं-

क्रियाविशेषण

- (ग) **क्रियाविशेषण-** जिन शब्दों से क्रिया की विशेषता प्रकट होती है, उन्हें क्रियाविशेषण कहते हैं।
विशेषण- संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द को विशेषण कहते हैं।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

2. संबंधबोधक

अभ्यास कार्य

1. (क) के पीछे (ख) की ओर से (ग) के अंदर (घ) के ऊपर
2. (क) में (ख) पर (ग) के साथ (घ) में
3. स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

3. समुच्चयबोधक

अभ्यास कार्य

1. (क) तो (ख) किंतु (ग) और (घ) लेकिन (ड) ताकि
2. (क) लेकिन (ख) अन्यथा (ग) और (घ) क्योंकि (ड) ताकि
3. (क) मोहित और रोहित अच्छे मित्र हैं।
(ख) मैं आपके साथ चलता परंतु मेरे पास समय नहीं है।
(ग) वह घूमने गया लेकिन उसकी बस छूट गई।
(घ) हमें पढ़ना चाहिए ताकि हमारे अच्छे नम्बर आए।
(ड) गाय बहुत बीमार है इसलिए आज दूध नहीं आया।
4. (क) दो शब्दों, वाक्यांशों या वाक्यों को जोड़ने वाले शब्द समुच्चयबोध कहलाते हैं। प्रमुख समुच्चयबोधक शब्द- एवं, तथा, परंतु, किंतु, क्योंकि, जिससे, लेकिन, अथवा, तथापि, बल्कि, यदि, तो आदि। जैसे- राम ने खाना खाया और सो गया।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

4. विस्मयादिबोध

अभ्यास कार्य

1. (क) हर्ष (ख) दुख (ग) भय (घ) आश्चर्य
2. (क) खुशी-वाह!, आश्चर्य-अरे!, दुःख-ओह!, घृणा-छिः!, भय-बाप रे!
3. (क) अरे! (ख) वाह! (ग) छिः! (घ) बाप रे!

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-12 : विराम-चिह्न

अभ्यास कार्य

1. (क) पूर्ण विराम (ख) विस्मयादिबोधक (ग) योजक चिह्न (घ) उद्धरण चिह्न
(ड) इकहरे उद्धरण चिह्न

2. (क) (?) (ख) (।) (ग) (-) (घ) (,,)
3. लालबहादुर शास्त्री भारत के दूसरे प्रधानमंत्री थे। उनमें ईमानदारी, देश, प्रेम और साहस की भावना कूट-कूट कर भरी थी। उन्होंने किसानों, मज़दूरों और सैनिकों को बहुत सम्मान दिया। उन्होंने कहा उन्होंने कहा “जय जवान जय किसान” बताओ उनका जन्म कब हुआ था?
4. (क) महात्मा गाँधी जी सत्य के पुजारी थे।
 (ख) अरे! तुम जा रहे हो।
 (ग) चार वेद हैं- ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद।
 (घ) विद्याधन अनमोल है; खर्च करने से बढ़ता है।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-13 : शब्द-भंडार

1. पर्यायवाची शब्द

अभ्यास कार्य

1. (क) दिवाकर (ख) उपवन (ग) पर्वत
2. (क) मेरे दोस्त ने मुझे बचाने के लिए अपना रक्त भी दिया।
 (ख) इस उपवन में सुंदर-सुंदर पुष्प खिले हैं।
 (ग) हमने नौका से तरंगिणी पार की।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

2. विलोम शब्द

अभ्यास कार्य

1. (क) व्यय (ख) अवरोह (ग) रात्रि (घ) चेतन
2. (क) निंदा (ख) सजीव (ग) लाभ (घ) उत्तर
3. (क) (iii) (ख) (v) (ग) (iv) (घ) (i) (ड) (ii)

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

3. अनेकार्थी शब्द

अभ्यास कार्य

1. (क) टैक्स (ख) एक दिशा (ग) उपाय
2. (क) अंबर- आकाश, कपड़ा (ख) व्यंजन- वर्णमाले के अक्षर, पकवान
(ग) बस- काफ़ी, एक वाहन (घ) तीर- बाण, किनारा
(ड) सोना- नींद की क्रिया, एक धातु (च) धूप- सूरज की किरणे, पूजा पाठ
वाली धूप
3. (क) लेकिन- मैं वहाँ पहुँचा लेकिन ऑफिस बंद हो गया।
एक जानवर- मगरमच्छ एक जानवर है।
(ख) एक रंग- उसकी साड़ी का रंग लाल है।
पुत्र- सुनीता का पुत्र पागल है।
(ग) देवता- इंद्र वर्षा के देवता हैं।
गाने का स्वर- सब बच्चे एक सुर में बोलों।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

4. श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द

अभ्यास कार्य

1. (क) सामान (ख) परिणाम (ग) दीन (घ) ओर
2. (क) मुझे दुकान से अन्न खरीदना है।
(ख) दीन की मदद करनी चाहिए।
(ग) मैंने अपना गृह कार्य पूरा कर लिया है।
(घ) सड़क के दोनों ओर नीम के पेड़ लगे हैं।
3. स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

5. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

अभ्यास कार्य

1. (क) प्रत्याशी (ख) अमर (ग) शताब्दी (घ) दूरदर्शी
2. (क) दुष्कर (ख) दार्शनिक (ग) साप्ताहिक (घ) अतिथि

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-14 : मुहावरे और लोकोक्तियाँ

अभ्यास कार्य

1. धी के दिए जलाना- खुशी मनाना

जमीन पर पैर न पड़ना- बहुत घमंड करना

तारे गिनना- प्रतीक्षा करना

काम तमाम करना- मार डालना

2. (क) भारतीय सैनिकों ने शत्रुओं के छक्के छुड़ा दिए।

(ख) पुलिस को आता देख चोर नौ दो ग्यारह हो गए।

(ग) राम के पिता बस दुर्घटना में बाल-बाल बच गए।

(घ) अपना काम तो करते नहीं, दूसरों के काम में टाँग अड़ाते रहते हो।

(ङ) परीक्षा में प्रथम आने पर मोहन फूल नहीं समा रहा था।

3. (क) पूरे गाँव में शिवचरण थोड़ा-पढ़ा लिखा है, वह तो अंधों में काना सरदार है।

(ख) नीलिमा ने निधि का पैन तोड़ दिया और निधि को ही डाँट रही है। इसे कहते हैं उलटा चोर कोतवाल को डाटे।

(ग) मोहन की बातों में मत आना वह कभी भी धोखा दे सकता है। उसके तो मुँह में राम बगल में छुरी है।

(घ) विद्या के पस एक ही गुड़िया है और लेने वाली पाँच सहेलियाँ। अब किसे दे और किसे नहीं। ये तो वही बात हुई एक अनार सौ बीमार।

पाठ-15 : संवाद-लेखन

अभ्यास कार्य

1. स्वयं करें।

पाठ-16 : पत्र-लेखन

अभ्यास कार्य

1. स्वयं करें।

पाठ-17 : निबंध-लेखन

अभ्यास कार्य

1. स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

स्वयं करें।

पाठ-18 : अपठित गद्यांश

अभ्यास कार्य

1. छह, वसंत
2. शरीर के स्वस्थ न रहने से व्यक्ति उदास और चिड़चिड़ा रहता है।
3. खेल हमारे साहस, बल और आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं। खेलने से शरीर पुष्ट रहता है।
4. एक खिलाड़ी अपनी रूचि और शारीरिक क्षमता को ध्यान में रखकर अपना मनपसंद खेल चुनता है।

Note